**As information received from the In-Charge Rajbhasha Cell, (UoA)**

**Date: 22/03/2024**
**Venue:**
**Participants: 150**

# Report

होली मिलन का ऐसा चढ़ा रंग कि कुलपति ने भी गुनगुनाया गाना कि 'कैसे होली खेले जाऊं सांवरिया बदरिया घिर आई ननदी और उपस्थित श्रोता झूमने लगे।' विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय की केंद्रीय सांस्कृतिक समिति होली के अवसर पर होली मिलन समारोह रंग संगम 2024 का आयोजन हुआ। यह आयोजन कला संकाय परिसर के निराला आर्ट विलेज में बने नवनिर्मित मुक्ताकाशी रंगमंच में बुधवार बीस मार्च की संध्या में संपन्न हुआ। आयोजन की शुरुआत में कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलन किया। रंग संगम की औपचारिक शुरुआत हिंदी विभाग के अध्यापक लक्ष्मण गुप्ता के ग़ज़ल के वाचन से हुआ। उन्होंने सुनाया कि देखिए, अंबर ने कैसा फागुनी पैगाम भेजा, तितलियों से रंग लेकर जिंदगी के नाम भेजा विद्यार्थी कल्याण के अधिष्ठाता प्रो. हर्ष कुमार ने सदा आनंद रहे यह नगरी मोहन खेले होरी गाकर आयोजन पर होली का रंग चढ़ाया। इसमें प्रो. आशीष सक्सेना ने रंग बरसे भेजे चुनर वाली गाकर इस सिलसिले को बढ़ाया तथा डॉ. अमित सिंह ने केसरिया गाकर माहौल को खुशनुमा बनाया। संगीत और दृश्य कला विभाग के अध्यापक सुरेंद्र जी ने सुगम संगीत की प्रस्तुति की। उन्होंने 'अवध में बाजे ला बधईया हो रामा' के चैती गाने से शुरुआत किया। इसके बाद उन्होंने कन्हैया घर में चलो गुइया आज खेले होरी गाकर रंग जमाया। गायन का अंत उन्होंने परंपरागत जोगिरा गाकर किया। कार्यक्रम का समापन विशाल जैन और छात्रों की टीम द्वारा नृत्य और संगीत से हुआ। कार्यक्रम में श्रोता देर तक आनंद में डूबते रहे। होली के अवसर को चुटीला बनाते हुए विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों को उपाधि से भी नवाजा गया। और उनके लिए एक गीत समर्पित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव और पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा जी को भी उपाधि दी गई। कार्यक्रम के आखिर में कुलपति महोदया ने भी 'कैसे होली खेले जइयो सावन में सांवरिया बदरिया घिर आई ननदी गाया'। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के अध्यापकों के साथ शहर के गणमान्य अतिथि और प्रशासन के पदाधिकारी मौजूद थे। विश्वविद्यालय ने एक परिवार की तरह इकट्ठा होकर होली का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोना अग्निहोत्री औ डॉ. अमृता ने किया।